## DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS

The 11th November, 1993

**No 45/30//91-Edu-IV (4),**—Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that it is no longer necessary to continue State protection to the ancient and historical monuments mentioned under columns 2 and 3 of the Sehedule given below, which were declared as protected monument and protected area respectively, *vide* Haryana Government, Department of Archaeology and Museums, notification No. 4/38-78-Ed-II (3), dated 17th January, 1983.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 35 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964, the Governor of Haryana hereby declares that the ancient and historical monuments specified in columns 2 and 3 cease to be protected monuments and archaeological sites and protected area respectively.

SCHEDULE

| Serial No. | Name of Ancient or historical monuments and area | Name of Archaeological sites and remains | Village | Name of Tehsil | District | Revenue Plot No. to be included under protection | Ownership | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 1. | Ancient Brick Temple Jhun Rur Puri Ka Akhara including approach pathway | Ancient Brick Temple | Kalayat | Narwana | Jind | 485 Area 242.50 Sq. M. | Panchayat, Kalayat | Ancient Brick Temple with Architectural and Artistic Niches and Sculptures of Gupta period. |
| 2. | Ancient Shiv Temple Projection Brick Temple with Niches in the premises of Baba Bharti Ka Dera including approach pathway | Ancient Brick Temple | Kalayat | Narwana | Jind | 371.80 Sq. M. | Ditto | |
| | | | | | Total .. | 614.30 Sq. M. | | |

T. D. JOGPAL,

Commissioner and Secretary to Government,
Haryana, Department of Archaeology and Museums,
Chandigarh.

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग

दिनांक 11 नवम्बर, 1993

संख्या 45/30-91-शि-4(4).—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना-2 तथा 3 के नीचे वर्णित उन प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को राज्य संरक्षण में अब रखने की आवश्यकता नहीं रही है जो हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग अधिसूचना संख्या 4/38-78-शि-II(3), दिनांक 17 जनवरी, 1983 द्वारा क्रमशः संरक्षित संस्मारक तथा संरक्षित क्षेत्र घोषित किए गए थे।

इसलिए अब पंजाब प्राचीन एवं ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातात्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 की धारा-35 द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा घोषणा करते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना-2 तथा 3 में विनिर्दिष्ट प्राचीन एवं ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थलों को क्रमशः संरक्षित क्षेत्र नहीं रहेंगे।

अनुसूची

| क्र० सं० | प्राचीन या ऐतिहासिक संस्मारक का नाम | पुरातत्वीय स्थल और अवशेषों का नाम | गांव | तहसील | जिला | राजस्व खसरा संख्या जिसको असुरक्षित घोषित किया जाना है | स्वामित्व | रिमार्क्स |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्राचीन ईंटों का मन्दिर झून रूड़ पूरी का अखाड़ा उसके पहुंचायक मार्ग सहित | प्राचीन ईंटों द्वारा निर्मित मन्दिर | कलायत | नरवाना | जींद | 485<br>242.50 वर्ग.मी. | कलायत पंचायत | प्राचीन ईंटों से निर्मित मन्दिर तथा कलात्मक ताके एवं गुप्तकालीन प्रतिमाऐं |
| 2. | बाबा भारती के डेरे के अन्दर बना प्राचीन ईंटों का मन्दिर (शिव मन्दिर) उसके पहुंचायक मार्ग सहित | प्राचीन ईंटों द्वारा निर्मित मन्दिर | कलायत | नरवाना | जींद | 371.80 वर्ग.मी.<br>कुल जोड़ 614.30 वर्ग.मी. | कलायत पंचायत | |

टी० डी० जोगपाल,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग,
हरियाणा, चण्डीगढ़।

7517 CS(H)—Govt. Press, U.T., Chd.